विचार करें

लोगों की आज की स्थिति

हरियाणा, पंजाब, गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, के कई गॉव, क्षेत्र और अब तो बिहार के भी कई गॉव में लोगों से उनकी स्थिति पूछे तो कहेंगे हम तो आनंद में हैं. सरकार सुनती है और नहीं सुनती तो सुनवा लेते हैं. कमाई की समस्या नहीं है. सब को रोटी मिल रही है. जो दुखी है वो अपनी स्थिति को ही भाग्य मानकर चुप रहते हैं । उग्रवाद को हर तरह से दबाया जाता है । बहुत अच्छा ।

बड़े शहरों के कई क्षेत्रों में लोग अपनी अपनी तरह से अपने जीवन के ढंग से संतुष्ट हैं. कहते हैं जो थोड़ी बहुत कमी है सब समय पर ठीक हो जाएगी । बहुत अच्छा ।

विकट प्रश्न

अब सोचिए इतनी खुशहाली होते हुए भी –

- क्यों भारत में एक बड़े स्तर पर निम्न-घटिया दर्जे की वस्तुएं बनती हैं?
- क्यों अभी भी खुशहाल गॉवो में भी किसान आत्महत्या कर लेते हैं?
- क्यों कन्याओं की स्थिति एक स्तर से उपर नहीं उठ पाई है – तरह तरह के अत्याचार,दुष्कर्म वे सहती है?
- क्यों सरकारी स्कूलों में बच्चे सातवीं आठवीं में आते ही क्लास से बंक करते हैं –गंदी आदतें डाल लेते हैं ?
- क्यों विकास की दर 7 या 8% के बावजूद, सुंदर चौड़ी चौड़ी सड़कें -बत्तियों के बावजूद लोगों के रहन सहन का स्तर,कालोनियों का स्तर, सड़क पर चलने वालों या रेहड़ी वालों या दुकानों का स्तर बहुत नीचा है?
- लोग खुशहाल हैं तो क्यों उधोगपतियों, नेताओं – आफिसरों को बड़े बड़े घोटाले कर देश का पैसा गलत कार्यों में लुटाने का मौका मिल जाता है?
- क्यों लोग किसी भी दफ़तर में हो रही भारी हेरा फेरी और काम चोरी को पकड़ नहीं पाते हैं ?
- क्यों अपराध की संख्या और स्तर बड़ते ही जा रहे हैं ?

सटीक उत्तर

उपर जैसे सभी प्रश्नों का उत्तर है – अधिकतम लोगों की समझ का स्तर कम होना, अपनी फैमिली, अपने परिवार और रिश्तेदारों के लिए सुख जुटाने में अपने आसपास समाज की आवश्यक्ताओं से मुँह मोड़े रखना.

कौन जिम्मेदार है ?

स्कूली शिक्षा में सामाजिक न्याय, अध्यात्म और प्रेम, मैत्री और करुणा के सिद्धांतों की शिक्षा का नितांत आभाव. जो शिक्षा है भी उसकी भी उचित देख रेख नहीं होती और छोटे क्षेत्रों में, डिस्ट्रिकटों में मज़दूरों और गँवारों की तादाद पैदा होती रहती है. बच्चे राजनीति के सुंदर पक्ष से महरूम रहते हैं और जब राजनीति में घुसते हैं तो उठा पटक, जोड़ तोड़ और हेर फेर को ही राजनीति मान लेते हैं.

क्या करें ?

शिक्षा में सुधारों के लिए आवश्यक है देश में भ्रष्टाचार का स्तर कम होना. भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए आवश्यक है:

क. काम-चोरी, गबन और रिश्वत-खोरी के लिए जल्द से जल्द सख्त सजा का होना – जो कि अरविंद केज़रीवाल जी की आम आदमी पार्टी को समर्थन दें आप पा सकते हैं; और

ख. काले धन की उपज को कम करना – जो कि आप साथ लगे सुझाव पर अमल कर पा सकते हैं.

अधिक जानकारी के लिए देखे साइट – www.actionforchange.in